Important Questions

(भाग – 1)

पाठ – 2

विश्व जनसँख्या वितरण घनत्व और वृद्धि

अति लघु प्रश्नोत्तर

प्र॰1 इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में विश्व की जनसंख्या कितनी थी ?

उ॰ छः अरब (लगभग)

प्र॰2 जनसंख्या घनत्व किसे कहते हैं ?

उ॰ प्रति इकाई क्षेत्रफल पर निवास करने वाले व्यक्तियों की औसत संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

प्र॰3 विश्व में किस महाद्वीप में सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर पाई जाती है ?

उ॰ अफ्रीका महाद्वीप में।

प्र॰4 जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि की गणना कैसे की जाती है ?

उ॰ जनसंख्या की वास्तविक = वृद्धि जन्म - मृत्यु + आप्रवास - उत्प्रवास

प्र॰5 किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य है ?

उ॰ यूरोप महाद्वीप

प्र॰6 एशिया की जनसंख्या के सम्बन्ध में जार्ज क्रेसी की टिप्पणी क्या है ?

उ॰ "एशिया में बहुत अधिक स्थानों पर कम लोग और कम स्थानों पर बहुत अधिक लोग रहते है।

प्र॰7 विश्व जनसंख्या की वर्तमान वार्षिक वृद्धि दर क्या है ?

उ॰ विश्व जनसंख्या की वर्तमान वार्षिक वृद्धि दर 1.4 प्रतिशत है।

प्र॰8 जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त की प्रथम अवस्था के दो महत्वपूर्ण लक्षण बताऐ ?

उ॰ उच्च प्रजननशीलता तथा उच्च मत्र्यता।

अति लघु प्रश्न

प्र०9 अफ्रीका की सघन जनसँख्या वाली एक खनिज पेटी का नाम बताइए।

उ० कटंगा - जाम्बिया तांबा पेटी

प्र०10 विश्व में किस देश की वृद्धि दर सवार्धिक है ?

उ० लाईबेरिया (8.2 प्रतिशत)

प्र०11 विश्व में किस देश की वृद्धि दर सबसे कम है ?

उ० लेटविया (-1.5 प्रतिशत)

प्र०12 विकासशील (अफ्रीकी) देशो में जीवन प्रत्याशा कम क्यों है ?

उ० एच. आई. वी./एड्स जैसी जानलेवा बीमारियों के कारण।

लघु प्रश्नोत्तर

प्र०1 जनसंख्या वितरण को कौन से कारक प्रभावित करते हैं।

उ० जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैः-

1. **प्राकृतिक कारकः-** इनमें धरातल की बनावट, जलवायु, मृदा, वनस्पति, जल तथा खनिज पदार्थो की उपलब्धि सम्मिलित है।

2. **सांस्कृतिक कारकः-** इनमें धर्म, भाषा, संस्कृति आदि सम्मिलित हैं।

3. **आर्थिक कारकः-** इनमें यातायात के साधन, उद्योग कारक सम्मिलित है।

4. **राजनैतिक कारकः-** अशान्ति, युद्ध, गृह युद्ध आदि कारक हैं।

प्र०2 प्रवास के प्रतिकर्ष कारक और अपकर्ष कारकों में अन्तर स्पष्ट करे।

उ०

प्रतिकर्ष	अपकर्ष कारक
ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पर बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण जीविकोपार्जन के साधनों की कमी के कारण लोग बेहतर स्थानों की ओर प्रवास करते है।	नगरों में अच्छे अवसरों, शिक्षा तथा मनोंरजनों के साधनों के कारण लोग चुम्बक की तरह आकषिर्त होते हैं।

गाँव में आजीविका प्राप्त नहीं कर पाने वाली जनसंख्या की गणना अधिशेष जनसंख्या के रूप में की जाती है। यह जनसंख्या नगरों की ओर करती है।	नगरों में उद्योग, परिवहन, संचार व्यापार तथा वाणिज्य आदि की बेहतर सुविधायें लोगों को प्रवास के लिए प्रवास प्रेरित करती हैं।
बेरोजगारी, आजीविका के साधनों की कमी, कृषि के कम उत्पादन आदि के कारण भुखमरी आदि प्रतिवर्ष के लिए प्रमुख कारक है।	उपकर्ष कारक वह स्वैच्छिक प्रवास है जब लोग नगरों को सुविधाओं- अजीविका के बेहतर साधनों से प्रेरित होकर प्रवास करते है।

प्र०3 जनसंख्या के अंकगणितीय एवं कायिक घनत्व में अंतर स्पष्ट कीजिएः

उ० जनसंख्या के अंकगणितीय एवं कायिक घन्त्व में अंतरः

अंकगणितीय घनत्व	कायिक घनत्व
किसी देश की कुछ जनसंख्या तथा उसके क्षेत्रफल के अनुपात को वहाँ की जनसंख्या का अंकगणितीय घनत्व कहते है अंकगणितीय घनत्व = कुल जनसंख्या/कुल क्षेत्रफल	किसी देश की कुछ जनसंख्या तथा वहाँ की कुल कृषि भूमि के अनुपात को कायिक घनत्व कहते है। इनमें से कृषि के लिए आयोग्य भूमि को कुल भूमि में से निकाल कर गणना की जाती है। कायिक घनत्व = कुल जनसंख्या / कुल कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल
बेरोजगारी,यह जनसंख्या के संकेन्द्रण की मात्रा को समझने का सबसे सरल तरीका है।	देश की कुल जनसंख्या में कृषि के अयोग्य सभी भूमियों जैसे वन, चरागाह दलदल, मरूभूमि आदि को कुल भूमि में से निकाल कर गणना की जाती है।
यद्यपि इस प्रकार के घनत्व द्वारा एक देश अथवा प्रदेश के भीतर जनसंख्या वितरण की असमानताओं को अनदेखा कर दिया जाता है तथापि विभिन्न देशों की जनसंख्या विशेषताओं की तुलना करने की यह एक अच्छी विधि है	उदाहरण के लिए भारत की कुल कृषि योग्य भूमि 14.26 लाख वर्ग कि.मी. है। इसमें वन, मरूभूमि, दलदल आदि सम्मिलित नहीं है। भारत की कुल जनसंख्या 2001 में 10270 लाख थी। इस प्रकार कायिक घनत्व 10290/14.26 = 720 मनुष्य प्रति वर्ग कि.मी. है।
संयुक्त राज्य अमेरिका का अंकगणितीय जनसंख्या का धनत्व 28 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है इसके विपरीत यूरोप का जनसंख्या घनत्व 107 जो संयुक्त राज्य अमेरिका से चार गुना अधिक है।	यह घनत्व भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश आदि के लिए उपयोगी है। क्योंकि यह कृषि की गहनता का प्रतिबिम्बित व्यक्ति के हिस्से में आने वाली भूमि घटती जाती है।

प्र०4 जन्म दर तथा मृत्यु दर में अन्तर स्पष्ट कीजिए ?

उ० जन्म दर तथा मृत्यु दर में अन्तर

जन्म दर	मृत्यु दर

एक वर्ष में जनसंख्या के प्रति एक हजार व्यक्तियों पर किसी देश में जन्मे जीवित बच्चों की संख्या की जन्म दर कहते है।	जनसंख्या के प्रति एक हजार व्यक्तियों पर किसी देश या क्षेत्र में मरने वाले लोगों की संख्या को मृत्यु दर कहते है।
यदि अशोधित अन्मदर अशोधित मृत्यु दर से अधिक हो तो जनसंख्या में शुद्ध वृद्धि होती है।	मृत्यु दर निम्न सूत्र में ज्ञात की जा सकती हैः अशोधित मृत्यु दर = मृतकों की संख्या/जनसंख्या × 1000
जन्म दर की जानकारी किसी देश की जनसंख्या वृद्धि के अध्ययन के लिए बहुत उपयोगी है।	संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार मृत्यु से तात्पर्य जन्म के बाद किसी भी समय जीवन के सभी प्रमाणों का स्थायी रूप से लोप हो जाना।
जन्म दर में तीव्र गिरावट और मृत्यु दर में तीव्र वृद्धि होती है तो जीवन प्रत्याशा में गिरावट आती है।	उदाहरण के लिए किसी क्षेत्र की 5 लाख की जनसंख्या में मरने वालों की संख्या 5000 हो तो मृत्यु दर होगीः- 5000/500000 × 1000 = 10
विकासशाली देशों में अशोधित जन्म दर अधिक है और विकसित देशों में अपेक्षाकृत बहुत कम है।	मृत्यु दर की गणना करते समय सारी संख्या को सम्मिलित किया जाता है। परन्तु जनसंख्या के विभिन्न आयु वर्गो में मृत्यु दर में भिन्नता पाई जाती है। इसलिए इसे मृत्यु दर कहते हैं।

प्र०5 किसी देश की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ने पर वहाँ के आर्थिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

उ० जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण अनेक प्रकार की आर्थिक और सामाजिक समस्यायें उत्पन्न हो जाती हैः

1. **भोजन की समस्या:** तीव्र गति से जनसंख्या की वृद्धि के कारण भोजन पदार्थो की आवश्यकता की पूर्ति कठिन हो जाती है।

2. **आवास की समस्या:** बढ़ती जनसंख्या के कारण निवास स्थानों की कमी होती जा रही है। लाखों लोग झुग्गी तथा झोंपड़ी में निवास करते हैं।

3. **बेरोजगारी:** जनसंख्या वृद्धि के कारण बेकारी एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आई है। आर्थिक विकास कम हो जाने से रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं और बेरोजगारों की संख्या बढ़ जाती है।

4. **निम्न जीवन स्तर:** अधिक जनसंख्या के कारण प्रति व्यक्ति आय कम हो जाती है, इसलिए जीवन स्तर गिर जाता है।

5. **जनसंख्या का कृषि पर अधिक दबाव:** बढ़ती जनसंख्या को खाद्यान्नों की पूर्ति करने के लिए कृषि योग्य भूमि पर दबाव बढ़ जाता है।

6. **बचत में कमी:** जनसंख्या वृद्धि के कारण कीमतें बढ़ जाती है तथा बचत कम होती है।

7. **स्वास्थ्य:** नगरों में गन्दगी बढ़ जाती है स्वास्थ्य और सफाई का स्तर नीचे गिर जाता है।